कौटिल्य एकेडमी

नमूनार्थ प्रश्नोत्तर पुस्तिका
Sample Question Answer Booklet

306666

Paper Code
GS-VI

निबंध

54/100

15 फरवरी 2021

रोल नंबर अंतर्राष्ट्रीय अंको में लिखें – (1, 2, 3, 4, 5, 6, 7, 8, 0) 4 4 1 8 5 7

रोल नंबर शब्दों में लिखें – Akanksha Garhwal

नाम 784 441857

Paper Code
GS-VI

306666

अभ्यर्थी द्वारा सावधानीपूर्वक भरा जावें।

Roll No.

0	0	0	0	0	0
1	1	1	1	1	1
2	2	2	2	2	2
3	3	3	3	3	3
4	4	4	4	4	4
5	5	5	5	5	5
6	6	6	6	6	6
7	7	7	7	7	7
8	8	8	8	8	8
9	9	9	9	9	9

अभ्यर्थी के अनुक्रमांक एवं पहचान पत्र को प्रवेश पत्र से मिलान पश्चात् ही वीक्षक बॉक्स में हस्ताक्षर करें

वीक्षक द्वारा भरा जावे।

यदि अभ्यर्थी अनुचित साधन का उपयोग करते हुए पाया जाता है तो वीक्षक निम्नांकित गोले को काले/नीले पेन से भरे एवं तत्काल केन्द्राध्यक्ष को सूचित करें :

O

(केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर एवं सील परीक्षा भवन में)

Scanned with CamScanner

कौटिल्य एकेडमी

भारत और कोविड-19

30 जनवरी 2020 का दिन, जब भारत में कोविड-19 का पहला केस केरल में सामने आया था। मूलतः इस वायरस की शुरुआत चीन से हुई मानी जाती है जहाँ पर इसका केस दिसम्बर माह, 2019 में सामने आया था।

भारत में प्रथम केस के आने से यह अंदाजा शायद ही किसी ने लगाया था कि इसका प्रसार इतना तीव्र एवं गहरा होगा। वैसे तो भारत देश स्वास्थ्य के प्रति सजग एवं स्वस्थ एवं निरोगी काया की संकल्पना के साथ आगे बढ़ा है परंतु इस प्रकार के वायरस के प्रति कोई भी देश तैयार नहीं था। ऐसे में जहां भारत जैसा देश अपने जीडीपी का मात्र 2 प्रतिशत से भी कम अंश स्वास्थ्य क्षेत्र में व्यय करता है, वहां वायरस की चुनौती का सामना करना एक बेहद मुश्किल कार्य था।

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

कोविड-19 मूलतः कोरोना वायरस बीमारी जो 2019 में पहचानी गई थी के रूप में परिभाषित किया गया है। डब्लूएचओ के अनुसार - यह सर्वप्रथम चीन के वुहान शहर में प्रसारित हुआ एवं तत्पश्चात संपर्क के माध्यम से विश्व के विभिन्न देशों में प्रसारित हुआ। इससे पूर्व भी कोरोना वायरस से जनित रोग जैसे- सार्स आदि भी सामने आए हैं परन्तु कोरोना वायरस बीमारी के समान प्रसारित एवं महामारी घोषित नहीं किए गए।

कोरोना वायरस बीमारी के लक्षण सामान्यतः सर्दी, खाँसी, जुकाम, बुखार हैं, इसके अलावा सुंगध की क्षमता खोना आदि भी इसके लक्षण समझे जा रहे हैं। इस वायरस का सीधा असर मानव के फेफड़ों पर पड़ता है जिससे साँस लेने में तकलीफ एवं मनुष्य की रोग प्रतिरोधक क्षमता पर असर डालती है।

भारत जैसा देश जहाँ विश्व की सर्वाधिक युवा आबादी रहती है, के लिए इसका असर अन्य देशों की तुलना में कम आँका गया। वस्तुतः युवाओं की रोग प्रतिरोधक क्षमता अन्य आयुवर्गों की तुलना में अधिक होती है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी) पू./M = 50 प्राप्तांक

परन्तु यहाँ अहम प्रश्न स्वास्थ्य सुरक्षा व स्वास्थ्य संबंधी तैयारियों का है जिस क्षेत्र में भारत अन्य विकसित देश; इटली, अमेरिका, फ्रांस की तुलना में पीछे है।

जीडीपी का स्वास्थ्य क्षेत्र में कम खर्च के अलावा भारत में स्वास्थ्य सुविधाओं की निम्न स्थिति, अस्पतालों की अगुणवत्तायुक्त सुविधाएं, निजी-सरकारी चिकित्सालयों के उपचार आधारित सुविधाओं में अंतर, ग्रामीण-शहरी चिकित्सालयों में पेशेवर डॉक्टरों की कमी, ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक चिकित्सा की कमी, स्वास्थ्य कर्मियों संबंधी तमाम चुनौतियाँ/समस्याएं मौजूद है। इसी के मद्देनजर कोविड-19 के प्रभाव का आकलन किया जा रहा था।

कोविड-19 ने निश्चित ही भारत को गहरे स्तर पर प्रभावित किया है। चूँकि यह एक संक्रामक रोग है अतः पहला केस मिलने के बाद यह आंकड़ा दोगुनी/तिगुनी रफ्तार से आगे बढ़ता गया। जहाँ मार्च-अप्रैल माह में मात्र 2000 से भी कम कोविड मरीजों की संख्या थी वहीं जून माह तक यह आंकड़ा 2 लाख पार कर चुका था।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

इस रफ्तार के तहत सर्वाधिक प्रभावित राज्य महाराष्ट्र रहा जहां सर्वाधिक कोविड 19 के मरीज सामने आए; इसी दिशा में गुजरात, उत्तरप्रदेश, तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी काफी संख्या में संक्रमण फैला।

इसी रफ्तार के संभावित अनुमान के आधार पर ही भारत सरकार द्वारा सर्वप्रथम 22 मार्च 2020 को जनता कर्फ्यू की घोषणा एवं इसके बाद 25 मार्च 2020 को सम्पूर्ण लॉकडाउन की घोषणा की गई। यह लॉकडाउन मुख्य तौर पर लोगों की आवाजाही को एवं संपर्क में आने से रोकने हेतु लगाया गया। चूंकि यह एक महामारी का रूप ले चुकी थी अतः यह सीधे तौर पर आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत महामारी से बचाव हेतु कदमों को उठाया गया।

इस लॉकडाउन के परिणामस्वरूप जहाँ अन्तर्राष्ट्रीय-राष्ट्रीय हवाई यातायात, रेल, सड़क यातायात, अन्तर्राज्यीय एवं आंतरिक आवागमन पर अनावश्यक तौर पर एवं अन्य किसी भी कारणवश रोक लगा दी गई। इसके अलावा औद्योगिक-व्यापारिक

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए।

(.....) Continue (जारी)

1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

प्रतिष्ठानों के संचालन पर रोक लगाई गई; मात्र चिकित्सा एवं राशन की दुकानों के तहत सुविधा प्रदान की आवश्यक जरूरतों को पूरा किया गया। इस समय अंतराल में प्रधानमंत्री द्वारा समय-समय पर राष्ट्र के नाम संबोधन के माध्यम से तमाम सरकारी कदमों एवं वायरस से बचाव हेतु मानक कदमों हेतु सुझाव दिए गए। जिसके अन्तर्गत कई नारे भी लगाए गए -

जैसे - "दो गज दूरी, रहना जरूरी"

घर से बाहर आवश्यकता होने पर ही निकलना एवं इस दौरान सदैव मास्क पहनना, हाथों को समय-समय पर धोना, हैंड सेनेटाइजर का इस्तेमाल करना, हाथ न मिलाना आदि। ये तमाम आदतें निश्चित ही वर्तमान में भारतीय समाज की नई प्रवृत्तियां बन गई हैं।

"नहीं किसी से हाथ मिलाए
नमस्ते कर के काम चलाए
कोरोना को दूर भगाए।"

इसके अलावा लॉकडाउन के समय अंतराल में

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए।

( ) Continue (जारी)

प्राप्तांक

को = कोई, रो = रोड पर, ना = ना निकले जैसे स्लोगन के माध्यम से जनता को सड़कों में आने से रोकने का तमाम प्रयास किया गया।

इस परिस्थिति में सर्वाधिक योगदान फ्रंटलाइन कार्यकर्ताओं जैसे- चिकित्साकर्मियों, पुलिस बल आदि का रहा है। जिन्होंने कोरोना वायरस के घातक प्रभावों एवं फैलाव के दौरान जन सेवा के माध्यम से संक्रमण को रोकने का प्राथमिक कार्य किया जहां पुलिसकर्मियों ने कानून एवं शासन के माध्यम से डर व भय पैदा कर जनता को घर पर ही रहने का काफी हद तक सफल प्रयास किया वहीं चिकित्साकर्मियों ने नागरिकों को वायरस से मुक्त करने हेतु प्राथमिक चिकित्सा सुविधा एवं इलाज किया।

इन तमाम प्रयासों के मद्देनजर भी भारत में वर्तमान में संक्रमण काफी फैल चुका है परंतु इससे मृत्यु दर पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ा। आज जहां प्रति दिन केस 20000 के आसपास पहुंच गए हैं तो ऐसे में कोविडकाल भारत के स्वास्थ्य सुरक्षा तैयारी एवं सरकारी, प्रशासनिक कदमों की सराहना

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों मे से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

(.....) Continue (जारी)

की जानी चाहिए। इसी दिशा में ही मई-जून के माह में अनलॉक की प्रक्रिया की शुरुआत कर दी गई थी; परन्तु कंटेनमेंट जोन (अधिक संक्रमित क्षेत्र) छोड़ सभी क्षेत्रों में थोड़ी ढिलाई दी जाने लगी थी।

कोविड-19 का भारत पर जहाँ स्वास्थ्य की दृष्टि से जितना व्यापक असर हुआ है, जिसमें लगभग एक लाख से अधिक मृत्यु दर्ज की गई, वहीं सामाजिक-सांस्कृतिक, आर्थिक, शैक्षिक, लैंगिक प्रभाव भी सामने आया।

सामाजिक-सांस्कृतिक स्तर पर लोगों के बीच भेदभाव, छुआछूत दृष्टि, आदि की प्रवृत्तियाँ सामने आई। लोगों के मध्य वैचारिक दूरियाँ बढ़ गई। वहीं लॉकडाउन एवं उसके बाद भी स्कूल एवं कॉलेज के बंद रहने से शैक्षिक कार्य न होने से शैक्षिक स्तर में कमी देखी गई। इससे विश्व के 90% छात्रों की शिक्षा बाधित हुई। इससे निश्चित ही ऑनलाइन शिक्षा का प्रसार जरूर हुआ परंतु वंचित, गरीब वर्ग इससे अछूता रहा एवं शैक्षिक पतन और हुआ।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x50=50

(.....) Continue (जारी)

लॉकडाउन और स्कूल बंद होने से बच्चों एवं महिलाओं के प्रति लैंगिक हिंसा की स्थिति भी काफी खराब हुआ हुई

आर्थिक क्षेत्र में कोरोना वायरस ने भारतीय अर्थव्यवस्था में काफी गिरावट आई। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार - अप्रैल - मई की तिमाही के दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था में २३.९% की गिरावट दर्ज की गई। वही विनिर्माण, खनन, व्यापार - परिवहन, संचार, होटल के क्षेत्र में भी लगभग ५०%, की गिरावट सामने आई। लोगों के पलायन दर में वृद्धि हुई फलतः कृषि को छोड़कर लगभग सभी क्षेत्रों में नकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई। इसमें सेवा क्षेत्र में भी नकारात्मक असर आया। शहरी बेरोजगारी में वृद्धि एवं राजस्व घाटा में वृद्धि की स्थिति सामने आई। इस गिरावट के कारण सरकार के लिए औद्योगिक उत्पादन और खपत में गिरावट कम करने हेतु बाहरी समर्थन प्रदान करना अहम चुनौती बन गया था।

इसी चुनौती से उभरने एवं अर्थव्यवस्था

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयो मे से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए।

(.....) Continue (जारी) 1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

को पुनः जीवित करने हेतु केन्द्र सरकार ने आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत २० लाख करोड़ के आर्थिक पैकेज की घोषणा की। कोविड-१९ की चुनौतियो को देखते हुए आरबीआई ने बैंक तथा भुगतान पर मार्च माह में ९० दिन की अवधि तथा फिर इसे ३१ अगस्त तक कर दिया गया। इसी के साथ मनरेगा के बजट परिव्यय में ६५% की वृद्धि की गई एवं प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, पीएम गरीब कल्याण योजना आदि के माध्यम से अतिरिक्त सहायता प्रदान की गई।

हाल ही में बजट २०२०-२१ के तहत विनिवेश के माध्यम से आर्थिक गति को तेज करने एवं कोविड-१९ चुनौती से लड़ने हेतु भी बजट का प्रावधान किया है। इस महामारी के प्रभाव से ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि आवश्यक वस्तु अधिनियम, १९५५ के तहत मास्क एवं हैण्डसेनेटाइजर को आवश्यक वस्तु की सूची में शामिल किया गया है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 1. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1000 शब्दों में निबंध लिखिए।

(.....) Continue (जारी)

अतः कोविड-19 का प्रकोप विश्व एवं भारत से कम होता जा रहा है जिसमें नागरिकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सावधानी के साथ इस वायरस से बचाव करे एवं तमाम सरकारी निर्देशों का पालन करें अतः

"खुद डरे नहीं, न ही लोगों को डराए।
कोरोना वायरस के प्रति सभी को जागरूक बनाएं।"

1x50=50

पू./M = 50

प्राप्तांक

27

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए। 1x25=25

(1) राजभाषा हिन्दी की विकास यात्रा।
(2) अनुशासन सभ्य समाज की धुरी।
(3) भारत और कल्याणकारी राज्य।

पू./M = 25

प्राप्तांक

उत्तर (...) : "अनुशासन सभ्य समाज की धुरी है।"

स्वामी विवेकानंद के अनुसार "अनुशासित व्यक्ति ही जीवन में सफलता हासिल कर सकता है।"

यह कथन ही अपने आप में गहन सत्य है कि अनुशासन जैसे मूल्य अपनाकर व्यक्ति स्वयं एवं समाज के जीवन को पूर्णतः परिवर्तित एवं विकासोन्मुखी बना सकता है।

अनुशासन से तात्पर्य है - प्रतिदिन की जीवनचर्या में निश्चितता एवं सुचारुपन। जिसके माध्यम से व्यक्ति के तमाम कार्य समय पर होते हैं एवं इसका निश्चित एवं सकारात्मक परिणाम हासिल होता है। प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासित व्यक्ति की अलग पहचान होती है। वस्तुतः बाल्यकाल से ही परिवार एवं तत्पश्चात विद्यालय द्वारा बच्चों को अनुशासित जीवन की सीख जाती है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

(.....) Continue (जारी)

इसी संदर्भ में कहा गया है कि -
'अनुशासन' ही अपने
जीवन के
उद्देश्य और उपलब्धि
के मध्य का सेतु है।'

महात्मा गांधी ने कहा है कि - अनुशासन विपत्ति की पाठशाला में सीखा जाता है। निश्चित ही यह व्यक्ति को अनुशासित एवं संयमित होने का पाठ पढ़ाता है। विश्व भर के तमाम सफलतम एवं विद्वान लोगों जैसे - अब्राहम लिंकन, राजाराममोहन राय, महात्मा गांधी, बिल गेट्स, मुकेश अंबानी आदि ने अनुशासन को जीवन में अपनाकर ही सफलता की सीढ़ी चढ़ी है एवं अन्य लोगों को मार्ग निर्देशित किया है।

अनुशासन समाज को व्यवस्थित एवं सुगठित बनाता है। यह सामाजिक बुराइयों, कमियों जैसे - भ्रष्टाचार, सामाजिक कुरीतियाँ आदि को दूर करने में मददगार साबित होता है। एक सभ्य समाज अनेक अनुशासित व्यक्तियों से मिलकर ही निर्मित होगा एवं सच्चा समाज

Scanned with CamScanner

प्रश्न 2. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

14

(...) Continue (जारी)

राष्ट्र के विकास में अहम भूमिका अदा करेगा।

अनुशासन समाज में हृदय कानून का भी निर्माण करता है जिससे सामाजिक कमियां दूर हो सकती हैं। इसके अलावा सरकारी प्रयासों जैसे - स्वच्छ भारत अभियान, आदि को सफल बनाने में अहम योगदान दे पाते हैं। एक अनुशासित व्यक्ति ही विषयवार समस्या की गंभीरता को निम्न स्तर पर समझ एवं समस्या समाधान निकाल सकता है।

good

अनुशासन का तो अर्थ ही है शासन एवं नियमों में रहना, यदि प्रत्येक व्यक्ति एवं समाज इस दिशा में विचार कर अपने जीवन को अपनाए तो वह निश्चित ही राष्ट्र निर्माण का भागीदारी बन जाता है।

Scanned with CamScanner

प्रश्न 8. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

(1) ई - गवर्नेंस।

(2) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की संभावनाएँ।

(3) क्या लोकपाल भ्रष्टाचार को खत्म में सफल है ?

1x25=25

पू./M = 25

प्राप्तांक

प्रस्तावना बनाए

उत्तर (...) : खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की संभावनाएँ

भारत जैसा देश जो खाद्यान्न आत्मनिर्भरता की स्थिति को प्राप्त कर चुका है परन्तु फिर भी खाद्यान्न उत्पाद के निर्यात में अन्य देशों के मुकाबले पीछे क्यो है?

यह प्रश्न स्वाभाविक चिंतनीय है क्योंकि हरित क्रांति के पश्चात खाद्य भण्डार में अतिशय वृद्धि होने के बावजूद निर्यात स्तर निम्न है इसका अहम कारण खाद्यान्न वस्तुओं की निम्न स्थिति एवं पर्याप्त प्रसंस्करित उद्योगों का अभाव। इसी दिशा में सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना की शुरुआत की है ताकि भारत में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को सफल बनाया जा सके।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से तात्पर्य ऐसी गतिविधियों से है जिसमें प्राथमिक कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण कर उनका मूल्यवर्धन किया जाता है। जैसे डेयरी उत्पाद,

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 1250 शब्दों में निबंध लिखिए।

(...) Continue (जारी)

...सब्जियों का प्रसंस्करण, बेकिंग दुग्ध, फल व सब्जियों का प्रसंस्करण, बेकिंग बंद भोजन एवं पेय पदार्थ इत्यादि इस उद्योग में शामिल हैं।

भारत में जहाँ दुग्ध उत्पादन में विश्व में प्रथम स्थान पर है वहीं फल सब्जियों के उत्पादन में भी द्वितीय स्थान पर अवस्थित है अतः खाद्य प्रसंस्करण उद्योग हेतु तमाम संभावनाएँ देखी जाती है जिससे अप्रत्यक्ष तौर पर रोजगार में वृद्धि, महिला सशक्तीकरण, खाद्यान्न विविधता जैसे लाभ हासिल किए जा सकते हैं।

इसके बावजूद उद्योगों के समक्ष कई चुनौतियां विद्यमान हैं जैसे – बुनियादी अवसंरचना जैसे - भवन, परिवहन आदि का अभाव, राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय कानूनों में अस्पष्टता, खाद्य पदार्थ जाँच हेतु आधुनिक तकनीक एवं प्रयोगशाला की कमी, खाद्यान्न प्रसंस्करण क्षेत्र में पर्याप्त अनुसंधान एवं विकास की कमी।

इन चुनौतियों से ही उबरने हेतु एवं उद्योग विकास हेतु मेगा फूड पार्क जैसी संकल्पना लाई गई है जिसके तहत क्लस्टर आधारित संरचना का

Scanned with CamScanner

प्रश्न 3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

(.....) Continue (जारी)

निर्माण कर उद्योगों को आवश्यक स्थानों पर स्थापित किया जा रहा है। इसके साथ ही खाद्य उत्पादों के विनिर्माण में स्वचालित मार्ग के माध्यम से 100% प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमति, राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक स्थापना, खाद्य प्रसंस्करण इकाईयों के लाभ पर आयकर से 100% की छूट आदि प्रयास किए जा रहे हैं।

ये उद्योग रोजगार, सशक्तीकरण आत्मनिर्भरता से युक्त है एवं भारत में असीम संभावनाएं होने के कारण इसे एक अहम उद्योग के तौर पर देखे जाने की जरूरत है ताकि खाद्यान्न आत्मनिर्भरता के साथ ही खाद्यान्न निर्यात एवं प्रसंस्करित उत्पादों के निर्यात में भी एकाधिकार हासिल किया जा सके।

अतः इन उद्योगों के विकास से बड़े-बड़े निवेशक इस क्षेत्र में शामिल होंगे एवं खेती के विकास के साथ भारत में कृषि संबंधी समस्याओं का भी निदान संभव हो सकेगा।

Scanned with CamScanner